Roll No. ……..

MAHL–101

हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं आदिकालीन कविता

M. A. Hindi (MAHL–12/16)

First Year, Examination, 2017

Time : 3 Hours **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्न पत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल तीन (03) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. इतिहास लेखन की भारतीय एवं पाश्चात्य परम्परा की विवेचना कीजिए।
2. नाथ सम्प्रदाय के क्रमिक विकास पर एक विस्तृत निबंध लिखिए।
3. आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि का मूल्यांकन कीजिए।
4. आदिकालीन कविता में रस, छन्द, अलंकार योजना पर विचार कीजिए।

5. जैन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ बताते हुए उसका अलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल छः (06) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. विद्यापति पदावली पर एक टिप्पणी लिखिए।
2. अमीर खुसरो के साहित्यिक प्रदेय का मूल्यांकन कीजिए।
3. आदिकाल के नामकरण की समस्या पर विचार कीजिए।
4. सिद्ध साहित्य पर एक टिप्पणी कीजिए।
5. इतिहास लेखन की समस्या पर विचार कीजिए।
6. विद्यापति का जीवन परिचय दीजिए।
7. साहित्येतिहास की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।
8. इतिहास एवं साहित्येतिहास के अंतर्सम्बन्ध पर विचार कीजिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

निम्नलिखित कथनों में से सत्य/असत्य का चुनाव कीजिए।

1. 'हठयोग' पद्धति नाथ सम्प्रदाय में प्रचलित है।
2. नाथों की संख्या 12 मानी जाती है।

3. पुष्पदन्त अपभ्रंश भाषा के कवि हैं।
4. स्वयंभू पालि भाषा के रचनाकार हैं।
5. महापुराण के रचनाकार विद्यापति हैं।

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

6. दोहा मूलतः ..... भाषा का छंद है।

(संस्कृत / अपभ्रंश / पालि)

7. 'कीर्तिलता' के रचनाकार ..... हैं।

(विद्यापति / अमीर खुसरो / चन्दबरदाई)

8. 'पृथ्वीराज रासो' ..... की रचना है।

(चन्दबरदाई / स्वयंभू / पुष्पदन्त)

9. खड़ी बोली के प्रारंभिक कवि ..... को माना गया है।

(अमीर खुसरो / विद्यापति / चन्दबरदाई)

10. 'पउमचरिउ' के रचनाकार हैं ..... ।

(स्वयंभू / पुष्पदन्त / तुलसीदास)